Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) __________________________

(Name) __________________________

2. (Signature) __________________________

(Name) __________________________

OMR Sheet No. : ....

(To be filled by the Candidate)

Roll No. | | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No. __________________________

(In words)

J 0 2 5 1 8

PAPER II
SANSKRIT

Time : 2 hours] **[Maximum Marks : 200**

Number of Pages in this Booklet : **12**

Number of Questions in this Booklet : **100**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of **100** multiple-choice type of questions. All questions are compulsory.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
   (iii) After this verification is over the Test Booklet Number should be entered on the OMR Sheet and the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
4. Each item has four alternative responses marked (1), (2), (3) and (4). You have to darken the circle as indicated below on the correct response against each item.
   Example : ① ② ● ④ where (3) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the **OMR Sheet given inside the Booklet only**. If you mark your response at any place other than in the circle in the OMR Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the OMR sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means, such as change of response by scratching or using white fluid, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the original OMR Sheet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
10. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
11. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**
12. **There are no negative marks for incorrect answers.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. इस पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. इस प्रश्न-पत्र में **100** बहुविकल्पीय प्रश्न हैं । सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जाएगी । पहले 5 मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिए जाएँगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए पुस्तिका पर लगी काग़ज़ की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठों की संख्या तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ / प्रश्न कम हों या दुबारा आ गए हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको 5 मिनट दिए जाएँगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जाएगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जाएगा ।**
   (iii) इस जाँच के बाद परीक्षा-पुस्तिका का नंबर OMR पत्रक पर अंकित करें और OMR पत्रक का नंबर इस परीक्षा-पुस्तिका पर अंकित कर दें ।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (1), (2), (3) तथा (4) दिए गए हैं । आपको सही उत्तर के वृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है ।
   उदाहरण : ① ② ● ④ जबकि (3) सही उत्तर है ।
5. प्रश्नों के उत्तर **केवल प्रश्न-पुस्तिका के अन्दर दिए गए OMR पत्रक पर ही** अंकित करने हैं । यदि आप OMR पत्रक पर दिए गए वृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिह्नांकित करते हैं, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा ।
6. अन्दर दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें ।
8. यदि आप OMR पत्रक पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फ़ोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, जैसे कि अंकित किए गए उत्तर को मिटाना या सफ़ेद स्याही से बदलना तो परीक्षा के लिए अयोग्य घोषित किए जा सकते हैं ।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर मूल OMR पत्रक निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद उसे अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जाएँ ।
10. **केवल नीले / काले बाल प्वॉइन्ट पेन का ही प्रयोग करें ।**
11. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैल्कुलेटर) या लॉग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।**
12. **ग़लत उत्तरों के लिए कोई नकारात्मक अंक नहीं हैं ।**

www.careerindia.com

CAREERINDIA

प्रश्न-पत्र II

संस्कृत

***निर्देश :** इस प्रश्न-पत्र में **सौ (100)** बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के **दो (2)** अंक हैं। **सभी** प्रश्न **अनिवार्य** हैं।*

1. मैत्रायणीय-शाखाया: सम्बन्ध: वर्तते

(1) सामवेदेन (2) अथर्ववेदेन

(3) ऋग्वेदेन (4) कृष्णयजुर्वेदेन

2. 'कौषीतकिब्राह्मणम्' केन वेदेन सम्बद्धमस्ति

(1) कृष्णयजुर्वेदेन (2) सामवेदेन

(3) ऋग्वेदेन (4) शुक्लयजुर्वेदेन

3. 'उशन्ति घाते अमृतास एतदेकस्य चित्त्यजसंमर्त्यस्य' – इति मन्त्रांशो वर्तते

(1) यम-यमीसूक्ते (2) पुरूरवा-उर्वशीसूक्ते

(3) विश्वामित्र-नदीसूक्ते (4) सरमा-पणिसूक्ते

4. अधस्तनेषु उचितसम्बन्धयुतं विकल्पं चिनुत

(1) 'यस्याश्वास: प्रदिशि यस्य गावो ...' । – उषः सूक्तम् ।

(2) 'स न: पितेव सूनवे ...' । – रुद्रदेवता ।

(3) 'तदस्य प्रियमभि पाथो अश्याम् ...' । – इन्द्रसूक्तम् ।

(4) 'यामश्विनावमिमातां विष्णु: ...' । – पृथिवी सूक्तम् ।

5. 'त्रिष्टुप्' – छन्दसि अक्षराणां संख्या भवति

(1) 44 (2) 24 (3) 32 (4) 38

6. ऐन्द्राग्नदेवतायै क: कपाल: प्रयुक्तो भवति ?

(1) द्विकपाल: (2) अष्टाकपाल:

(3) द्वादशकपाल: (4) एककपाल:

7. 'The Vedic Concordance' इति ग्रन्थस्य प्रणेता वैदेशिक: क: ?

(1) एम.ब्लूमफील्ड: (2) ए. मैक्डानल:

(3) एच. विल्सन: (4) एम. विन्टरनित्सः

8. सामवेदीयावृषभ-धैवतस्वरौ कतमे त्रैस्वर्यस्वरे अन्तर्भवत: ?

(1) उदात्ते (2) प्रचये (3) स्वरिते (4) अनुदात्ते

www.careerindia.com

CAREERINDIA

9. निरुक्तानुसारं 'वायुर्वा त्वा मनुर्वा त्वा' – इत्यत्र 'वा' पदं विद्यते

(1) समुच्चयार्थे (2) विचारणार्थे (3) विनिग्रहार्थे (4) पदपूर्त्यर्थे

10. 'यस्मिन्निन्द्रो वरुणो मित्रो अर्यमा देवा ओकांसि चक्रिरे' – इत्यत्र 'ओकांसि' पदस्य कोऽर्थ: ?

(1) हवींषि (2) आहुतय: (3) मन्त्रा: (4) स्थानानि

11. 'निघण्टु' – ग्रन्थे काण्डानि सन्ति

(1) 2 (2) 3 (3) 4 (4) 5

12. 'यन्मनसा न मनुते येनाहुर्मनो मतम्' – इत्युद्धरणं वर्तते

(1) तैत्तिरीयोपनिषदि (2) कठोपनिषदि
(3) केनोपनिषदि (4) बृहदारण्यकोपनिषदि

13. अधस्तनेषु कस्य कल्पवेदाङ्गे परिग्रहणं विद्यते

(1) बृहद्देवता (2) पुण्यसूत्रम्
(3) वैखानसश्रौतसूत्रम् (4) ऋतुन्त्रम्

14. 'दस्रा' – इति नामपदं वर्तते

(1) विष्णो: (2) इन्द्रस्य (3) विवस्वत: (4) अश्विनो:

15. 'जैमिनीय-न्यायमाला' – ग्रन्थस्य प्रणेता विद्यते

(1) सायण: (2) जैमिनि: (3) माधव: (4) वेङ्कटमाधव:

16. 'स्कम्भ:' – इत्यस्य वर्णनं कुत्र प्राप्यते ?

(1) सामवेदे (2) शिक्षायाम् (3) अथर्ववेदे (4) छन्दसि

17. 'जात्य-स्वरित:' कस्मिन् वर्गे आयाति

(1) अभिनिहितस्वरिते (2) स्वतन्त्रस्वरिते
(3) प्रश्लिष्टस्वरिते (4) सामान्यस्वरिते

18. ऋग्वेदीयपञ्चममण्डलस्य ऋषि: वर्तते

(1) वामदेव: (2) विश्वामित्र: (3) भरद्वाज: (4) अत्रि:

19. भरतस्वामिना कस्या वेदसंहिताया भाष्यम् आरचितम् ?

(1) कृष्णयजुर्वेदसंहिताया: (2) काण्वसंहिताया:
(3) सामसंहिताया: (4) ऋक्संहिताया:

20. ऋक्प्रातिशाख्यस्य चतुर्थपटलस्य किम् नाम ?

(1) सन्धिपटलम् (2) संहितापटलम् (3) स्वरपटलम् (4) नतिपटलम्

www.careerindia.com

CAREERINDIA

21. 'ब्राह्मणसर्वस्व' नामकं वेदभाष्यं केन विरचितम् ?

(1) हरिस्वामिना (2) हलायुधेन (3) गुणविष्णुना (4) उव्वटेन

22. सामविकाराः सन्ति

(1) सप्त (2) चत्वारः (3) त्रयः (4) षट्

23. एषु कोऽशुद्धप्रयोगः ?

(1) भवेव (2) भूयास्मः (3) अभूत (4) अभविष्यः

24. 'शतृ' प्रत्ययान्त 'भू' धातोः स्त्रियां किं रूपम् ?

(1) भवती (2) भविती (3) भविन्ती (4) भवन्ती

25. उदन्तस्य गुणवाचिनः 'पाण्डु' शब्दस्य स्त्रियां किं रूपम् ?

(1) पाण्डुः (2) पाण्ड्वी (3) पाण्डूः (4) पाण्ड्वा

26. 'सम्प्रवदन्ते ब्राह्मणा' इत्यत्रात्मनेपदविधायकं किमनुशासनम् ?

(1) व्यक्तवाचां समुच्चारणे (2) सम्प्रतिभ्यामनाधाने
(3) अनोरकर्मकात् (4) भासनोपसम्भाषाज्ञानयत्नविमत्युपमन्त्रणेषु वद :

27. 'न + एकधा' इत्यत्र नञ् – तत्पुरुषे कः प्रयोगः ?

(1) नैकधा (2) नेकधा (3) अनैकधा (4) अनेकधा

28. 'विगता नासिका यस्य सः' इति विग्रहे बहुव्रीहिसमासे कः प्रयोगो न भवति ?

(1) विग्रः (2) विख्यः (3) विगतनासिकः (4) विनसा

29. 'पदकक्रमकम्' इत्यत्र द्वन्द्व एकवद्विधायकं सूत्रं किमस्ति ?

(1) अध्वर्युक्रतुरनपुंसकात् (2) अनुवादे चरणानाम्
(3) अध्ययनतोऽविप्रकृष्टाख्यानाम् (4) जातिरप्राणिनाम्

30. 'राजानः सन्ति अस्मिन्' इति विग्रहे सौराज्येऽर्थे को मत्वर्थीयः प्रयोगः ?

(1) राजन्वान् (2) राजवान् (3) राजमान् (4) राजावान्

31. 'विवृद्धौ कर्णौ यस्य सः' इति विग्रहे को नास्ति मत्वर्थीयः प्रयोगः ?

(1) कर्णिलः (2) कर्णी (3) कर्णिकः (4) कर्णमान्

32. स्फोट-नादयोर्योग्यता नियता केन प्रकारेण भर्तृहरिणा मन्यते ?

(1) वाच्य-वाचकभावेन (2) लक्ष्य-लक्षकभावेन
(3) व्यङ्ग्य-व्यञ्जकभावेन (4) जन्य-जनकभावेन

www.careerindia.com

CAREERINDIA

33. भर्तृहरिमते कस्य वाचकत्वम् ?

(1) साधुशब्दस्यैव (2) असाधुशब्दस्यैव
(3) साध्वसाधुशब्दयो: (4) पुण्यजनकतावच्छेदकस्यैव

34. वाक्यपदीयेऽन्वाख्येया: प्रतिपादकाश्च के मता: ?

(1) अर्था: (2) शब्दा: (3) सम्बन्धा: (4) प्रयोजनानि

35. अधोऽङ्कितेषु अभिव्यापक-आधारस्य उदाहरणमस्ति

(1) स्थाल्यां पचति (2) मोक्षे इच्छा अस्ति
(3) कटे आस्ते (4) दुग्धे घृतमस्ति

36. "मातुर्निलीयते कृष्ण:" इत्यत्र अपादान संज्ञाविधायकं सूत्रमस्ति

(1) आख्यातोपयोगे । (2) अन्तर्द्धौ येनाऽदर्शनम् इच्छति ।
(3) वारणार्थानाम् ईप्सित: । (4) भुव: प्रभव: ।

37. अधोलिखितानां केन सह कस्य सम्बन्ध: ? समीचीनां तालिकां चिनुत ।

(a)	ज्ञोऽविदर्थस्य करणे	(i)	सम्प्रदानम्
(b)	यस्य च भावेन भावलक्षणम्	(ii)	सर्पिषो ज्ञानम्
(c)	कर्मणा यम् अभिप्रैति, स...	(iii)	क्रोशं गिरि:
(d)	कालाध्वनोरत्यन्तसंयोगे	(iv)	गोषु दुह्यमानासु गत:

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)
(2)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)
(3)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(4)	(iv)	(ii)	(i)	(iii)

38. यत्कूटस्थेष्वविचालिषु अविनाशिषु देशान्तरप्राप्तिरहितेषु भावेषु वर्तते तत् किम् ?

(1) नित्यत्वम् (2) आकृतित्वम् (3) अनेकत्वम् (4) भूयस्त्वम्

39. महाभाष्यानुसारं साधुशब्दस्य प्रयोगे को विशेष: असाधुशब्दस्य प्रयोगात् ?

(1) अर्थबोध: (2) लोकव्यवहारसिद्धि:
(3) शिष्टानुमोदनम् (4) अभ्युदय:

www.careerindia.com

CAREERINDIA

40. पाणिनीयशिक्षानुसारं वर्णानामुच्चारण-स्थानानि कति ?

(1) अष्टौ (2) नव (3) पञ्च (4) सप्त

41. 'अवेस्ता' भाषा कस्य वर्गस्य भाषाऽस्ति ?

(1) सतम्वर्गस्य (2) केन्तुम्वर्गस्य

(3) चीनीवर्गस्य (4) अयोगात्मकवर्गस्य

42. निम्नलिखितेषु ध्वनिनियमानां निर्माता कोऽस्ति ?

(1) कीलहोर्नमहोदय: (2) ग्रिममहोदय:

(3) विल्सनमहोदय: (4) जेम्सप्रिंसेपमहोदय:

43. संस्कृतभाषा कीदृशी भाषाऽस्ति ?

(1) श्लिष्टयोगात्मिका (2) अश्लिष्टयोगात्मिका

(3) प्रश्लिष्टयोगात्मिका (4) अयोगात्मिका

44. निम्नलिखितासु का भाषा भारोपीय-परिवारस्य नास्ति ?

(1) रूसी (2) जूलू (3) तोखारी (4) लिथुआनियन

45. 'तत्प्रख्य'शास्त्रात् कर्मनामधेयत्वस्यार्थसङ्ग्रहे किमुदाहरणम् ?

(1) उद्भिदा यजेत पशुकाम: (2) चित्रया यजेत पशुकाम:

(3) श्येनेनाभिचरन् यजेत (4) अग्निहोत्रं जुहोति

46. प्रमाणान्तरविरोध-प्रमाणान्तरावधारणयो: हानात् कीदृशोऽर्थवाद: ?

(1) गुणवाद: (2) अनुवाद: (3) भूतार्थवाद: (4) गुणानुवाद:

47. नैयायिकरीत्या पृथिव्या रूप-रस-गन्ध-स्पर्शा: गुणा: कीदृशा: ?

(1) नित्या: पाकजाश्च (2) अनित्या: पाकजाश्च

(3) नित्या अपाकजाश्च (4) अनित्या अपाकजाश्च

48. साध्यव्यापकीभूताभावप्रतियोगी को हेत्वाभास: ?

(1) विरुद्ध: (2) सत्प्रतिपक्ष:

(3) असिद्ध: (4) कालात्ययापदिष्ट:

49. सिषाधयिषाविरहविशिष्टसिद्ध्यभावो मुक्तावल्यां कस्य लक्षणं प्रोक्तम् ?

(1) व्याप्ते: (2) परामर्शस्य (3) पक्षताया: (4) हेत्वाभासस्य

50. अनुमितौ व्याप्यस्य पक्षवृत्तित्वज्ञानं किमुच्यते ?

(1) करणम् (2) परामर्श: (3) व्याप्ति: (4) पक्षता

www.careerindia.com

CAREERINDIA

51. वेदान्तदर्शनानुसारं जगतो नानात्वं मायाया: कया शक्त्या भवति ?

(1) आवरणशक्त्या (2) विक्षेपशक्त्या

(3) विसर्जनशक्त्या (4) विलयशक्त्या

52. 'यद् रूपेण यन्निश्चितं तद् रूपं न व्यभिचरति' इति किम् ?

(1) अज्ञानम् (2) जगत्

(3) सत्यम् (4) प्रकृति:

53. अज्ञानं किं न भवति ?

(1) सता अनिर्वचनीयम् (2) असता अनिर्वचनीयम्

(3) त्रिगुणात्मकम् (4) अभावरूपम्

54. 'सतत्त्वतोऽन्यथाप्रथा' किमुच्यते ?

(1) विकार: (2) विवर्त: (3) आरोप: (4) ब्रह्म

55. वेदान्तसारानुसारं 'ज्ञातृज्ञानादिविकल्पलयानपेक्षयाद्वितीयवस्तुनि तदाकाराकारितायाश्चित्तवृत्तेरवस्थानम्' कस्य लक्षणं विद्यते ?

(1) सविकल्पकसमाधे: (2) निर्विकल्पकसमाधे:

(3) मोक्षस्य (4) प्रलयस्य

56. 'चित्तवृत्तेर्निद्रा' वेदान्तसारानुसारं किमुच्यते

(1) रसास्वाद: (2) लय: (3) विक्षेप: (4) कषाय:

57. प्रधानस्योपलब्धि: कस्मात् कारणाद् न भवति ?

(1) कार्यात् (2) सौक्ष्म्यात्

(3) व्यवधानात् (4) समानाभिहारात्

58. सांख्यदर्शने कतिविधं प्रमाणम् ?

(1) चतुर्विधम् (2) पञ्चविधम् (3) त्रिविधम् (4) षड्विधम्

59. पुरुषस्यस्तित्वं कस्माद् हेतो: न सिध्यति ?

(1) संघातपरार्थतत्वात् (2) भोक्तृभावात्

(3) कैवल्यार्थं प्रवृत्ते : (4) त्रिगुणात्मकत्वात्

60. सांख्यकारिकानुसारं करणं कतिविधम् ?

(1) त्रयोदशविधम् (2) षोडशविधम्

(3) चतुर्दशविधम् (4) चतुर्विधम्

www.careerindia.com

CAREERINDIA

61. अधस्तनानां केन सह कस्य सम्बन्ध: ? समीचीनां तालिकां चिनुत ।

(a)	शब्दज्ञानानुपाती वस्तुशून्य:	(i)	निद्रा
(b)	तत्र प्रत्ययैकतानता	(ii)	ईश्वरप्रणिधानम्
(c)	तस्मिन्परमगुरौ सर्वकर्मार्पणम्	(iii)	विकल्प:
(d)	अभावप्रत्ययावलम्बनावृत्ति:	(iv)	ध्यानम्

कूट :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(2)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(3)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(4)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)

62. 'इन्द्रियप्रणलिकया चित्तस्य बाह्यवस्तूपरागात्तद्विषया सामान्यविशेषात्मनोऽर्थस्य विशेषावधारणप्रधाना वृत्ति:' इत्यनेन किं बोध्यते व्यासभाष्यानुसारम् ?

(1) अनुमानं प्रमाणम्
(2) आगमप्रमाणम्
(3) प्रत्यक्षं प्रमाणम्
(4) विपर्ययो वृत्ति:

63. जैनदर्शनानुसारेण अधोलिखिताना सप्ततत्त्वानां समुचित: क्रम: कोऽस्ति ?

(1) बन्ध:, मोक्ष:, संवर:, जीव:, अजीव:, आस्रव:, निर्जरा
(2) जीव:, अजीव:, आस्रव:, बन्ध:, संवर:, निर्जरा, मोक्ष:
(3) जीव:, अजीव:, मोक्ष:, आस्रव:, संवर:, निर्जरा, बन्ध:
(4) अजीव:, जीव:, आस्रव:, संवर:, मोक्ष:, निर्जरा, बन्ध:

64. बौद्धदर्शनानुसारेण 'संज्ञास्कन्ध: ' अस्ति

(1) आलयविज्ञान-प्रवृत्तिविज्ञानप्रवाह: ।
(2) गौरित्यादि-शब्दोल्लेखिसंवित्प्रवाह: ।
(3) रूप्यन्त इति च व्युत्पत्त्या सविषयाणीन्द्रियाणि ।
(4) मदमानादयो धर्माधर्मौ च ।

65. व्यासभाष्यानुसारेण अधोलिखितानां समुचित: क्रम: कोऽस्ति ?

(1) तम:, मोह:, महामोह:, तामिस्र:, अन्धतामिस्र: ।
(2) मोह:, महामोह:, तम:, तामिस्र:, अन्धतामिस्र: ।
(3) तम:, तामिस्र:, अन्धतामिस्र:, मोह:, महामोह: ।
(4) महामोह:, मोह:, तम:, तामिस्र:, अन्धतामिस्र: ।

66. जैनधर्मानुसारेण पञ्चविधसम्यग्ज्ञानस्य समुचित: क्रमोऽस्ति

(1) मति:, श्रुतम्, अवधि:, मन:पर्याय:, केवलम् ।
(2) अवधि:, मति:, मन:पर्याय:, केवलम्, श्रुतम् ।
(3) श्रुतम्, मति:, अवधि:, मन:पर्याय:, केवलम् ।
(4) केवलम्, श्रुतम्, अवधि:, मन:पर्याय:, मति: ।

www.careerindia.com

CAREERINDIA

67. अधस्तनयुग्मानां समीचीनतालिकां चिनुत

(a) न प्रभातरलं ज्योतिरुदेति वसुधातलात् — (i) नैषधीयचरितम्

(b) गतं तिरश्चीनमनूरुसारथे: — (ii) अभिज्ञान-शाकुन्तलम्

(c) विद्युत्वन्तं ललितवनिता: सेन्द्रचापं सचित्रा: — (iii) शिशुपालवधम्

(d) अमुष्य विद्यारसनाग्रनर्तकी — (iv) मेघदूतम्

कूट :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)
(2)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(3)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(4)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)

68. "शरीरभाजां भवदीयदर्शनं व्यनक्ति कालत्रितयेऽपि योग्यताम् ।" – इति शिशुपालवधे प्रशंसा भवति

(1) श्रीकृष्णस्य (2) वसुदेवस्य (3) नारदस्य (4) बलरामस्य

69. अभिज्ञानशकुन्तले सानुमत्या उपाख्यानं कस्मिन्नङ्केऽस्ति

(1) पञ्चमे (2) षष्ठे (3) सप्तमे (4) चतुर्थे

70. मेघदूतस्य मल्लिनाथकृता टीका भवति

(1) सारार्थबोधिनी (2) अर्थद्योतनिका (3) सञ्जीवनी (4) सौदामनी

71. रत्नावलीनाटिकायां विदूषकस्य नाम किम् ?

(1) मैत्रेय: (2) माधव्य: (3) वसन्तक: (4) शर्विलक:

72. मुद्राराक्षसे कृतककोपवृत्तान्त: अस्ति

(1) प्रथमाङ्के (2) द्वितीयाङ्के (3) तृतीयाङ्के (4) चतुर्थाङ्के

73. स्वप्नवासवदत्ते अङ्कानां संख्या भवति

(1) पञ्च (2) षट् (3) सप्त (4) नव

74. "अदृष्टमप्यर्थमदृष्टवैभवात्
करोति सुप्तिर्जनदर्शनातिथिम् ।"
उक्तिरियं कस्माद् ग्रन्थादुद्धृता ?

(1) शिशुपालवधात् (2) नैषधीयचरितात्

(3) किरातार्जुनीयात् (4) रघुवंशात्

75. "श्रीकण्ठपदलाञ्छन: पदवाक्यप्रमाणतत्त्वज्ञ:" इति केन सम्बद्धम् ?

(1) कालिदासेन (2) अश्वघोषेण (3) भवभूतिना (4) श्रीहर्षेण

76. "विभिन्नशङ्ख: कलुषीभवन्मुहुर्मदेन दन्तीव मनुष्यधर्मण: ।
निरस्तगाम्भीर्यमपास्तपुष्पकं प्रकम्पयामास न मानसं न स: ।।"
शिशुपालवधे महाकाव्ये इयं वर्णना केन सम्बद्धा ?

(1) इन्द्रेण (2) कुबेरेण (3) वरुणेन (4) यमवाहनेन

www.careerindia.com

CAREERINDIA

77. दशकुमारचरिते पुण्यवर्मा कस्य देशस्य राजा आसीत् ?
(1) वाराणस्या: (2) विदर्भस्य (3) गौडस्य (4) मगधस्य

78. "सिध्यन्ति कर्मसु महत्स्वपि यन्नियोज्या:
संभावनागुणमवेहि तमीश्वराणाम् ।"
अभिज्ञानशाकुन्तले इयमुक्तिर्भवति ...
(1) मारीचस्य (2) मातले: (3) दुष्यन्तस्य (4) कण्वस्य

79. "इत्येकपक्षाश्रयविक्लवत्वादासीत् स दोलाचलचित्तवृत्ति: ।" इति रघुवंशे क: दोलाचलचित्तवृत्ति: ?
(1) भरत: (2) राम: (3) लक्ष्मण: (4) शत्रुघ्न:

80. साहित्यदर्पणकारमते वीररस: कतिधा भवति ?
(1) चतुर्धा (2) त्रिधा (3) द्विधा (4) पञ्चधा

81. बीभत्सरसस्य वर्ण: भवति
(1) पीतवर्ण: (2) कपोतवर्ण: (3) हेमवर्ण: (4) नीलवर्ण:

82. दशरूपकमते प्राप्त्याशा भवति
(1) उपायापायशङ्काभ्यां प्राप्तिसम्भव: । (2) फललाभाय औत्सुक्यमात्रम् ।
(3) अप्राप्तौ अतित्वरान्वित: व्यापार: । (4) अपायाभावत: सुनिश्चिता प्राप्ति: ।

83. ध्वन्यालोकत: रिक्तं स्थानं पूरयत –
"यत्नत: __________ तौ शब्दार्थौ महाकवे: ।"
(1) अवगन्तव्यौ (2) प्रत्यभिज्ञेयौ (3) परिहर्त्तव्यौ (4) संस्मरणीयौ

84. "नाट्याख्यं __________ वेदं सेतिहासं करोम्यहम् ।"
– नाट्यशास्त्रत: रिक्तं स्थानं पूरयत ।
(1) सप्तमम् (2) अष्टमम् (3) चतुर्थम् (4) पञ्चमम्

85. "तनयमैनाकगवेषणलम्बीकृत-जलधिजठर-प्रविष्ट-हिमगिरि भुजायमानाया भगवत्या भागीरथ्या: सखी" – इति रसगङ्गाधरे कस्य काव्यभेदस्य उदाहरणं भवति ?
(1) उत्तमोत्तमस्य (2) मध्यमस्य (3) उत्तमस्य (4) अधमस्य

86. काव्यमीमांसायां कविरहस्ये प्रथमेऽधिकरणे प्रथमेऽध्याये रसाधिकारिकविषये अस्य नाम उल्लिखितमस्ति
(1) पराशर: (2) कामदेव: (3) भरत: (4) नन्दिकेश्वर:

87. "वाच्योऽर्थो वाचक: शब्द: प्रसिद्धमिति यद्यपि ।
तथापि काव्यमार्गेऽस्मिन् परमार्थोऽयमेतयो: ।।" –
कस्मिन् ग्रन्थे अस्ति ?
(1) साहित्यदर्पणे (2) काव्यप्रकाशे (3) रसगङ्गाधरे (4) वक्रोक्तिजीविते

88. कौटिलीयार्थशास्त्रोल्लेखानुसारं एषु क: लोभाद् विननाश ?
(1) जनमेजय: (2) ऐल: (3) रावण: (4) दुर्योधन:

www.careerindia.com

CAREERINDIA

89. अस्य महापुराणेषु गणनं नास्ति

(1) पद्मपुराणस्य (2) मार्कण्डेय पुराणस्य
(3) ब्रह्मपुराणस्य (4) कल्किपुराणस्य

90. याज्ञवल्क्यमते पश्यतोऽब्रुवतो भूमेर्हानिर्भवति

(1) दशवार्षिकी (2) विंशतिवार्षिकी (3) द्वादशवार्षिकी (4) पञ्चदशवार्षिकी

91. मनुसंहितानुसारं अस्य कामजव्यसने गणनं नास्ति

(1) मृगया (2) द्रोह: (3) अक्ष: (4) दिवास्वप्न:

92. मनुसंहितात: रिक्तस्थानं पूरयत – "अर्थकामेष्वसक्तानां __________ विधीयते ।"

(1) वेदज्ञानम् (2) कर्त्तव्यता (3) धर्मज्ञानम् (4) मोक्षज्ञानम्

93. याज्ञवल्क्यमते सबन्धके ऋणे मासि मासि वृद्धिर्भवति

(1) पञ्चाशद्भाग: (2) अशीतिभाग: (3) त्रिंशद्भाग: (4) विंशो भाग:

94. एषु किं पर्व महाभारते नास्ति

(1) विराटपर्व (2) द्रोणपर्व (3) कर्णपर्व (4) धृतराष्ट्रपर्व

95. श्रीमद्भगवद्गीतायां सांख्ययोग: कतमोऽध्याय: ?

(1) द्वितीयोऽध्याय: (2) तृतीयोऽध्याय: (3) चतुर्थोऽध्याय: (4) पञ्चमोऽध्याय:

96. एषु किं रामायणश्रितं न भवति ?

(1) मध्यमव्यायोग: (2) भट्टिकाव्यम् (3) प्रतिमानाटकम् (4) उत्तररामचरितम्

97. पुराणसंख्याप्रतीकश्लोकत: रिक्तं स्थानं पूरयत –
मद्वयं भद्वयं चैव __________ वचतुष्ट्यम् ।
अनापल्लिङ्ग-कू-स्कानि पुराणानि पृथक् पृथक् ।।

(1) कत्रयम् (2) त्रयम् (3) ब्रत्रयम् (4) गत्रयम्

98. पुष्यमित्रस्य नाम कस्मिन् लेखे प्राप्यते ?

(1) अशोकस्य गिरनारलेखे (2) दशरथस्य नागार्जुनलेखे
(3) धनदेवस्य अयोध्यालेखे (4) कनिष्कस्य मथुरालेखे

99. रुम्मिनदेई स्तम्भलेख: कस्यास्ति ?

(1) चन्द्रगुप्तस्य (2) स्कन्दगुप्तस्य (3) अशोकस्य (4) यशोधर्मण:

100. 'आर्कियोलोजिकल सर्वे ऑफ इन्डिया' इत्यस्या: संस्थाया: प्रथमो महानिदेशक: क आसीत् ?

(1) जे. बर्जेस: (2) मैक्समूलर: (3) जेम्सप्रिंसेप: (4) अलेक्जेंडर-कनिंघम:

www.careerindia.com

रफ कार्य के लिए स्थान

CAREERINDIA

www.careerindia.com